भारत सरकार
रसायन और उर्वरक मंत्रालय
उर्वरक विभाग

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 989

जिसका उत्तर मंगलवार, 9 दिसंबर, 2025/18 अग्रहायण, 1947 (शक) को दिया जाना है।

ओडिशा में उर्वरक की उपलब्धता

989. श्री शुभाशीष खुंटिया:

क्या **रसायन और उर्वरक मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को कृषि के व्यस्तम मौसम के दौरान ओडिशा के विभिन्न जिलों से उर्वरक की कमी की सूचना मिली है;
(ख) यदि हां, तो किसानों को समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं; और
(ग) क्या ओडिशा के लिए कोई अतिरिक्त आवंटन या विशेष खेप स्वीकृत की गई है?

उत्तर

रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क) से (ग): चल रहे रबी मौसम 2025-26 के दौरान ओडिशा राज्य में यूरिया, डीएपी, एमओपी और एनपीकेएस जैसे उर्वरकों की उपलब्धता पर्याप्त रही है। चल रहे रबी मौसम 2025-26 (02.12.2025 की स्थिति के अनुसार) के दौरान ओडिशा राज्य में इन उर्वरकों की आवश्यकता, उपलब्धता, बिक्री और अंतिम स्टॉक के बारे में जानकारी इस प्रकार है:

रबी मौसम 2025-26 (02/12/2025 की स्थिति के अनुसार) के लिए ओडिशा में उर्वरकों की उपलब्धता की स्थिति

आंकड़े एमटी में

क्र.सं.	**उत्पाद**	**01/10/2025 से 02/12/2025 तक यथानुपातिक आवश्यकता**	**01/10/2025 से 02/12/2025 तक उपलब्धता**	**01/10/2025 से 02/12/2025 तक संचयी डीबीटी बिक्री**	**02/12/2025 को अंतिम स्टॉक**
1	**यूरिया**	52,000	1,57,000	43,000	1,14,000
2	**डीएपी**	14,000	53,000	13,000	40,000
3	**एमओपी**	6,000	21,000	4,000	17,000
4	**एनपीकेएस**	18,000	71,000	14,000	57,000

इसके अलावा, ओडिशा राज्य सहित देश में उर्वरकों की समय पर और पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा प्रत्येक मौसम में निम्नलिखित कदम उठाए जाते हैं -

(i) प्रत्येक फसल मौसम की शुरुआत से पहले, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग (डीए एंड एफडब्ल्यू), सभी राज्य सरकारों के परामर्श से, उर्वरकों की राज्य-वार और माह-वार आवश्यकता का आकलन करता है।

(ii) कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा आकलित आवश्यकता के आधार पर, उर्वरक विभाग मासिक आपूर्ति योजना जारी करके राज्यों को पर्याप्त मात्रा में उर्वरक आवंटित करता है और उपलब्धता की लगातार निगरानी करता है।

(iii) देश भर में सभी प्रमुख सब्सिडी प्राप्त उर्वरकों के संचलन की निगरानी एकीकृत उर्वरक निगरानी प्रणाली (आईएफएमएस) नामक एक ऑनलाइन वेब-आधारित निगरानी प्रणाली द्वारा की जाती है।

(iv) राज्य सरकारों को नियमित रूप से सलाह दी जाती है कि आपूर्तियों को सुचारु बनाने के लिए समय पर मांग-पत्र भेजकर उत्पादकों और आयातकों के साथ समन्वय करें।

(v) कृषि एवं किसान कल्याण विभाग और उर्वरक विभाग द्वारा राज्य कृषि अधिकारियों के साथ संयुक्त रूप से नियमित साप्ताहिक वीडियो कॉन्फ्रेंस आयोजित की जाती है और राज्य सरकारों द्वारा दी गई सूचना के अनुसार उर्वरक भेजने के लिए सुधारात्मक कार्रवाई की जाती है।

(vi) जिला स्तर पर राज्य के भीतर उर्वरकों का वितरण संबंधित राज्य सरकार द्वारा किया जाता है।

तदनुसार, ओडिशा राज्य सरकार से प्राप्त जानकारी के अनुसार, पिछले खरीफ मौसम 2025 के दौरान राज्य के किसी भी जिले से उर्वरक की कमी की कोई सूचना प्राप्त नहीं हुई है। इसके अलावा, राज्य ने यह भी सूचित किया है कि उर्वरकों की पर्याप्त और समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए, राज्य द्वारा मार्कफेड के माध्यम से उर्वरकों की पूर्व-उपलब्धता के लिए प्रति वर्ष 150 करोड़ रुपये की कॉर्पस निधि का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा, खरीफ मौसम में मार्कफेड को राज्य के सभी हिस्सों में सही कीमत पर यूरिया की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए 375 रुपये प्रति मीट्रिक टन अतिरिक्त परिवहन और हैंडलिंग शुल्क के रूप में भी प्रदान किया गया है।

****